



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 469] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 16, 1994/भाद्र 25, 1916
No. 469] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 16, 1994/BHADRA 25, 1916

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1994

का. ग्रा. 681 (अ) :—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 1 की धारा 45 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार रिजर्व बैंक द्वारा उप-धारा (1) के तहत प्रस्तुत किए गए आवेदन पर विचार के और दिनांक 20 जून, 1994 की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग का. ग्रा. अधिसूचना सं. 458 (अ) में आंशिक संशोधन करने के पश्चात् उसमें निर्धारित उन्ही शर्तों के अध्वर्धन, काशी नाथ सेठ बैंक लि., ग्राहजहांपुर के संबंध में अधिस्थ की अवधि को, एतद्द्वारा 19 दिसम्बर, 1994 तक और उसके सहित की और अवधि लिए बढ़ाती है।

[सं. एफ. 17/20/93-बी.ओ.ए.
के. श्रीनिवासन, संयुक्त सचिव]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th September, 1994

S.O. 681(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank under sub-section (i), and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs No. S.O. 458(E), dated the 20th June, 1994, hereby extends, subject to the same terms and conditions, as laid down therein, the period of moratorium in respect of the Kashi Nath Seth Bank Ltd., Shahjahanpur, for a further period upto and inclusive of the 19th day of December, 1994.

[No. 17/20/93-BOA]

K. SRINIVASAN, Jt. Secy.